दिल को 100% शुद्ध बनाना इतना मुश्किल काम है कि अनंत जन्मों के बाद भी यह अभी भी अधूरा है।

बगैर किसी की सहायता के हमारा काम नही बन सकता। भगवान वास्तविक संत के रूप में सहायता उपलब्ध करवा देते है। ऐसी मदद के बिना हमारा अनन्त आनंद का सपना कभी पूरा नहीं होगा।

महापुरूष या संत जब संसार में रहते है तब कई सेवा के अवसर प्रदान करते हैं। सेवा तीन प्रकार से होती है - तन, मन और धन। लोग संत की सेवा कर सकते हैं जिससे आध्यात्मिक उन्नति होती हैं। संत भगवान को पाकर परिपूर्ण हो जाता है। उसे अब किसी से कुछ नही चाहिए। लेकिन औरों के कल्याण के लिए संसार में रहकर अनेक प्रकार के कार्य करता है। बाहरी सहायता की आवश्यकता न होते हुए भी संसारी व्यक्ति की तरह एक्टिंग करता है और यदि कोई वास्तव में सहायता करता है, तो संत ईश्वरीय उपकार करता है, जो उसका एकमात्र उद्देश्य है।

www.shreeradha.com
shreeradha.eschool@gmail.com
WhatsApp 94232 09132

ऐसा ही एक उदाहरण है - एक अवसर पर, भगवान कृष्ण की उंगली कुछ कट गयी थी और उससे खून बहने लगा था। वे द्रौपदी के पास गये जो उस दृश्य को सहन नहीं कर सकी और अपनी सारी से एक टुकड़ा फाड़कर कृष्ण की उंगली पर बांध दिया। रक्तस्राव बंद हो गया। जब द्रौपदी का भरी सभा में वस्त्रहरण होने जा रहा था, तब भगवान कृष्ण ने उस टुकड़े का ऋण चुकाया और द्रौपदी के शरीर को ढकने के लिए इतना कपड़ा दिया कि जितनी सारी ख़िचती गयी उतनी ही और बढ़ती गयी। द्रौपदी को विवस्त्र नही होने दिया।

www.shreeradha.com
shreeradha.eschool@gmail.com
WhatsApp 94232 09132

इस प्रकार आपको को यह समझना चाहिए कि संत आपकी आध्यात्मिक उन्नति के लिए ही आप से कुछ मांगता है। संत का वास्तविक होना परमावश्यक है, जबकि आज के जमाने में 99% पाखंडी ठग लोग संत का स्वांग रचाये है।

www.shreeradha.com
shreeradha.eschool@gmail.com
WhatsApp 94232 09132

एक स्थान पर भगवान कृष्ण कहते हैं, 'मेरे लिए किए गए दुष्कर्म कर्मों में बदल जाते हैं जबकि मुझे छोड कए किए गए पुण्यकर्म भी दुष्कर्म हैं।'

जब वृंदावन की गोपी कृष्ण से मिलने मंदिर जाने के बहाने गई तो कृष्ण ने उसका स्वागत किया क्योंकि वह "सभी धर्मों को खारिज करने, मेरी और केवल मेरी शरण में आओ", की सिद्धांत के अनुसार चल रही थी।

एक वास्तविक महापुरूष के लिए काम करना वैसा ही है जैसा कि ईश्वर के लिए काम करना। यदि आपको ऐसा वास्तविक संत नहीं मिलता है, तो आप संत मिलन के लिए भगवान से प्रार्थना कर सकते हैं।

महापुरूष न केवल गंदे हृदय की शुद्धि के लिए काम करते हैं, बल्कि शुद्धिकरण के बाद हृदय को दिव्य बना देते हैं और इसे शाश्वत और अनंत आनंद से भर देते हैं। इसलिए यह कहा जाता है कि आध्यात्मिक गुरु भगवान की तुलना में अधिक महत्वपूर्ण है।

www.shreeradha.com
shreeradha.eschool@gmail.com
WhatsApp 94232 09132